आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 26 | अंक - 73 | उज्जैन, मंगलवार 06 फरवरी 2024 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

विद्यार्थियों को सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, दानशीलता, पुरुषार्थ, पराक्रम और सुशासन की प्रेरणा मिलेगी-मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीहोर जिले की बुधनी तहसील के ग्राम बगवाड़ा में विद्याभारती मध्यप्रांत द्वारा प्रारंभ किये जा रहे सम्राट विक्रमादित्य सैनिक स्कूल का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर बनने वाले सैनिक स्कूल में अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, दानशीलता, पुरुषार्थ, पराक्रम और सुशासन की शिक्षा और प्रेरणा मिलेगी।

कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, स्वामी ईश्वरानंद महाराज (उत्तम स्वामी), आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश सोनी, विजय कुमार सिन्हा, अशीष चौहान, श्री श्रीराम अरावकर ने भी संबोधित किया। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री रमाकांत भार्गव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री सीताशरण शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विद्या भारती संस्थान द्वारा इस सैनिक स्कूल के माध्यम से विद्यार्थियों में संस्कार और राष्टनिर्माण की भावना को विकसित करने का काम किया जायेगा। नई शिक्षा नीति के निर्माण में विद्या भारती संस्थान का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रदेश में जहाँ भी सैनिक स्कूल शुरू किए जाएंगे वहां प्रदेश सरकार पूरी मदद करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्या भारती मध्यभारत प्रांत द्वारा यहां सम्राट विक्रमादित्य सैनिक स्कूल का निर्माण किया जा रहा है। स्कूल परिसर में आधुनिक शिक्षा की सुविधा, सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाएं उपलब्ध रहेंगीं।

नर्मदा नदी एवं नेशनल हाईवे-46 के पास वन एवं पर्वत श्रृंखलाओं से घिरे इस स्थान पर भारतीय सेना के कौशल और संस्कारों के साथ शिक्षा प्रदान की जाएगी। इस भवन की नींव नवग्रह विधान, वास्तु पुरुष एवं अन्य सांस्कृतिक मूल्यों पर रखी जा रही है।

कौन है मौलाना सलमान अजहरी, जिसकी जुबान जहरी; पहले से ही दर्ज है केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्लामी उपदेशक मुफ्ती सलमान अल अजहरी को गुजरात एटीएस ने मुंबई के घाटकोपर में ले लिया। भड़काऊ भाषण देने के एक मामले में उन्हें हिरासत में लिया गया है। उन्हें रात में घाटकोपर थाने में रखा गया जहां मौलाना के समर्थकों ने जमकर बवाल काटा। बाद में पुलिस को लाठी भी भांजनी पड़ी। दरअसल जूनागढ़ के मैदान में कथित तौर पर विशेष समुदाय के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के आरोप में मौलाना अजहरी के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। यह कार्यक्रम 31 जनवरी को आयोजित किया गया था। दो दिन पहले जूनागढ़ से भी दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

मौलाना मुफ्ती सलमान अजहरी खुद को मुस्लिम रिसर्च स्कॉलर बताता है। उसने कई संस्थान भी बना रखे हैं। इसमें सलमान अजहरी जामिया रियाजुल जन्नाह, अल अमान एजुकेशन एंड वेलफेर ट्रस्ट और दारुल अमान शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक अजहरी ने पढ़ाई एजिप्ट के विश्वविद्यालय से पूरी की है। वह अकसर धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत करता है।

आगरा का सोहेल राम मंदिर पर हमला करने वाला है, मुंबई पुलिस को आया धमकी भरा कॉल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित भागवान राम के मंदिर पर हमले को लेकर मुंबई पुलिस को धमकी भरा कॉल मिला है। शनिवार आधी रात को मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में एस शख्स ने फोन किया था। उसने पुलिस को बताया कि आगरा का रहने वाला सोहेल कुरैशी नाम का शख्स अयोध्या में राम मंदिर पर हमला करने वाला है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, फोन करने वाले ने अपनी पहचान सोहम पांडे के रूप में बताई। उसने कहा कि उसको ये जानकारी अपने आरपीएफ कर्मचारी दोस्त नंदकिशोर सिंह से मिली। फोन करने वाले ने बताया कि नंदकिशोर सिंह को आगरा से मुंबई तक ट्रेन से यात्रा करते समय पता चला कि कुरैशी की राम मंदिर पर हमला करने की योजना है। उसने कहा कि कुरैशी आगरा के अदपतपुर के रहने वाले हैं। इसके अलावा, फोन कॉल करने वाले शख्स ने सोहेल कुरैशी और नंदकिशोर सिंह के मोबाइल नंबर भी शेयर किए हैं। सूत्रों ने कहा कि पुलिस ने पहले से तय दिशानिर्देशों के तहत संबंधित सुरक्षा एजेंसियों और उत्तर प्रदेश में अपने समकक्षों को सूचित कर दिया।

38 किमी दूर छिपा दुश्मन भी होगा ढेर, भारतीय जवानों को मिलेंगे 155mm स्मार्ट आर्टिलरी गोले

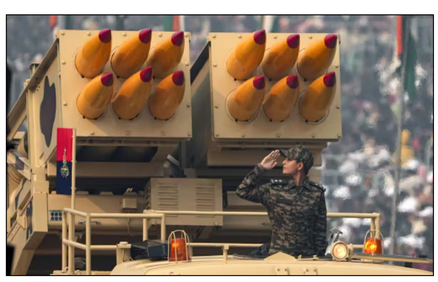

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना को अगले 2 साल में अपने यहां डिजाइन और डेवलप 155 मिमी स्मार्ट आर्टिलरी गोले मिल सकते हैं। ये मौजूदा गोलों की तुलना में 50 गुना अधिक सटीकता देंगे। आईआईटी-मद्रास और सरकार की ओर से संचालित म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड ने इस गोला-बारूद को बनाने के लिए पार्टनरशिप की है। इसे NavIC सैटेलाइट के भारतीय तारामंडल की ओर से गाइड किया जाएगा, जो पहले भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम के रूप में जाना जाता था।

आईआईटी मद्रास के अनुसार, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के फैकल्टी प्रोफेसर जी. राजेश और उनके रिसर्चर्स की टीम स्मार्ट गोला-बारूद तैयार करेगी। इसे बाद में म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड की ओर से बनाया जाएगा। यह सरकार की ओर से संचालित फर्म है जो सेना, नौसेना, वायु सेना व अर्धसैनिक बलों के लिए गोला-बारूद और विस्फोटकों के प्रोडक्शन, रिसर्च, डेवलपमेंट और मार्केटिंग का काम देखता है। टीम का मकसद 10 मीटर के सर्कुलर एरर प्रोबेबल के भीतर 155 मिमी शेल की सटीकता को बढ़ाना है। फिलहाल, देश में डेवलप गोला-बारूद की सीईपी 500 मीटर है। एक अन्य टारगेट टर्मिनल इम्पैक्ट प्वाइंट पर घातकता को बढ़ाना है।

IOFS के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर रवि कांत ने कहा, हमें विश्वास है कि गोला-बारूद बनाने में MIL की क्षमता और गाइडेंस सिस्टम डेवलप करने में आईआईटी मद्रास का दिमाग बहुत कारगर होगा।

भारतीय सेना के जवानों को लगेंगे पंख, अब जेटपैक सूट पहनकर उड़ान भरने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की रक्षा चुनौतियों एवं भविष्य के युद्धों में आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन जवानों के लिए जेटपैक सूट तैयार करने जा रहा है। इन्हें पहनकर जवान उड़कर भी आपरेशन को अंजाम दे सकेंगे। अभी तक ब्रिटेन की एक कंपनी को ही इस प्रकार के जेटपैक सूट बनाने में महारत हासिल है और तमाम देश उसी से इनकी खरीद कर रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय से जुड़े एक दस्तावेज के अनुसार डीआरडीओ ने जेटपैक सूट बनाने की संभावनाओं को लेकर एक अध्ययन शुरू किया है। इसके तहत सबसे पहले इसका एक प्रोटोटाइप बनाया जा रहा है। लेकिन यह प्रोटोटाइप बाजार में मौजूद जेटपैक इंजनों से भिन्न होगा। अभी तक जो जेट इंजन इस्तेमाल हो रहे है, वे माइक्रो गैस टरबाइन इंजन होते हैं। लेकिन डीआरडीओ गैस टरबाइन इंजन के बजाय बैटरी चालित इलेक्ट्रो डक्टेड फैन्स (ईडीएफ) तैयार करेगा। इसे वियरेबल ह्यूमन फ्लाइट प्लेटफार्म का नाम दिया गया है।

रक्षा सूत्रों ने बताया कि अगले कुछ महीनों में डीआरडीओ द्वारा जेटपैक सूट तैयार कर लिए जाने की संभावना है, जिसके बाद उसका परीक्षण सेनाओं द्वारा किया जाएगा तथा सफल रहने पर सेना में शामिल कर लिया जाएगा।

इस प्रकार जेटपैक इंजन वाले सूट अभी ब्रिटेन की एक कंपनी बनाती है। ब्रिटेन के साथ अमेरिका, रूस, न्यूजीलैंड समेत कई देशों की सेनाओं में इनका इस्तेमाल होता है।

विद्रोहियों से झड़प के बीच 58 म्यांमार सैनिक बांग्लादेश भागे, 14 को लगी गोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार में विद्रोहियों और सैनिकों के बीच चल रही भारी गोलीबारी और जंग के बीच खबर है कि म्यांमार के अर्धसैनिक सीमा रक्षक बलों के कम से कम 58 सैनिक देश छोड़कर बांग्लादेश भाग गए हैं। सैनिक रविवार को तंब्रू सीमा से दाखिल हुए और बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड से शरण मांगी। 58 में से 14 सैनिक गोलीबारी से घायल हो गए हैं। घटनाक्रम से परिचित अधिकारी ने कहा, उनमें से 14 लोग गोलियों से घायल होकर सीमा पार कर गए और रोहिंग्या शिविरों में स्वास्थ्य सुविधाओं सहित विभिन्न अस्पतालों में उनका इलाज किया जा रहा है।

ग्रैमी अवॉर्ड की रेस हार गया पीएम मोदी का गाना, जाकिर हुसैन के पश्तो ने मारी बाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गीत ''अबन्डंस इन मिलेट्स'' ग्रैमी अवॉर्ड्स 2024 की रेस में हार गया। जिस कैटेगरी के लिए पीएम मोदी का गीत नॉमिनेट था उसमें भारत के ही मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन ने बाजी मारी। इसके अलावा, संगीतकार शंकर महादेवन और जाकिर हुसैन के फ्यूजन बैंड शक्ति ने दिस मोमेंट के लिए बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक एल्बम का ग्रैमी अवॉर्ड अपने नाम किया। इस एल्बम में म्यूजिक ग्रुप के संस्थापक सदस्य गिटार वादक जॉन मैकलॉघलिन के साथ जाकिर हुसैन, शंकर महादेवन, वायलिन वादक गणेश राजगोपालन और तालवादक सेल्वागणेश विनायकराम शामिल हैं।

जाकिर हुसैन ने 'पश्तो' के लिए बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस और अमेरिका के बेंजो वादक बेला फ्लेक और अमेरिकी बास वादक एडगर मेयेर के साथ 'एज वी स्पीक' के लिए बेस्ट कंटेंपरेरी इंस्ट्रुमेंटल एल्बम का ग्रैमी अवॉर्ड भी जीता। इस एल्बम में महान बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया के भतीजे और भारतीय बांसुरी वादक राकेश चौरसिया भी हैं।

बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस की कैटेगरी में आठ नॉमिनेशन थे जिसमें फालू का गीत ''अबन्डंस इन मिलेट्स'' शामिल था। इस गीत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी दिखाई दिए हैं। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय-अमेरिकी गायक फालू के साथ मिलकर बाजरा के लाभों पर एक गाना लिखा था। इसे साल 2024 के लिए बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस की कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया था। अब इस कैटेगरी में अवॉर्ड जाकिर हुसैन ने जीत लिया है।

हुसैन ने 'पश्तो' के लिए अवॉर्ड लेते वक्त कहा, ''प्रेम और संगीत के बिना हम कुछ भी नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, ''एकेडमी का शुक्रिया, हमें आज यह खूबसूरत संगीत देने के लिए इन सभी महान संगीतकारों का शुक्रिया। हमारे एक सदस्य बेला फ्लेक मौजूद नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, ''उनकी, राकेश चौरसिया और एडगर मेयेर की तरफ से हम दिल से आभार व्यक्त करते हैं...हमारे परिवार यहां हैं और उनके बिना हम कुछ भी नहीं हैं। प्रेम, संगीत, सौहार्द के बिना हम कुछ भी नहीं हैं।''

सूडान और दक्षिण सूडान के बीच नहीं थम रहा सीमा विवाद, दो गुटों के बीच हुई झड़प में 40 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूडान और दक्षिण सूडान की सीमा पर एक बार फिर से दो गुटों बीच झड़प हुई है, जिसमें करीब 40 लोग मारे गए हैं। दो गुटों के बीच हुई झड़पों में कई नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं, इस हिंसा से बचने के लिए सैकड़ों लोगों ने संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के परिसर में शरण ली है। समाचार एजेंसी रायटर ने एक सरकारी अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी है।

क्यों हो रही हैं झड़पें- मालूम हो कि अबेई क्षेत्र में डिंका जातीय समूह और प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच अक्सर इस तरह की झड़पें होती रहती है। दोनों के बीच झड़पें होने का महत्वपूर्ण कारण सीमा विवाद का होना है, जहां सीमा पार से होने वाले व्यापार के कारण महत्वपूर्ण कर राजस्व एकत्र किया जाता है। दरअसल, अबेई एक तेल समृद्ध इलाका है, जिस पर दक्षिण सूडान और सूडान दोनों संयुक्त रूप से प्रशासित करते हैं। वहीं, अब दोनों ने इस विवादित क्षेत्र पर अपना दावा किया है, जिसके कारण लगातार यहां झड़पें हो रही हैं।

मारे गए 18 लोग- वहीं, क्षेत्र के सूचना मंत्री बुलिस कोच ने कहा कि इस इलाके में 2 और 3 फरवरी को भी झड़पें देखने को मिली थी। इस दौरान कुल 19 नागरिकों की मौत हो गई थी और 18 अन्य घायल हो गए थे। उन्होंने बताया कि झड़प के दौरान कुछ लोगों ने कई बाजारों में आग लगा दी और संपत्ति भी लूट ली थी। कोट ने बताया कि रविवार को हुए अलग-अलग हमलों में करीब 18 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें तीन बच्चे और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय चिकित्सा सहायता संगठन के लिए काम करने वाला एक स्थानीय सदस्य शामिल है।

अर्श से फर्श पर आ गए इमरान खान और कुरैशी, अब जेल में करनी होगी मजदूरी; करना होगा ये काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरेशी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक ताजा मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के दोनों दिग्गज नेताओं को हाई-प्रोफाइल कैदी होने के बावजूद जेल के अंदर मजदूरी करनी होगी।

पाकिस्तान की एक स्पेशल कोर्ट ने दोनों नेताओं को सिफर मामले में दोषी ठहराते हुए दस साल जेल की सजा सुनाई है। खान और कुरैशी को रावलपिंडी की अदियाला जेल में रखा गया है।

दोनों कैदियों को अलग-अलग रखा गया- समाचार एजेंसी पीटीआई ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया है कि अदियाला जेल में 71 वर्षीय इमरान खान और 67 वर्षीय शाह महमूद कुरैशी को हाई-प्रोफाइल कैदियों के रूप में अलग-अलग रखा गया है।

मुश्किलों का सामना कर रही है पीटीआई- वहीं, पीटीआई के दोनों शीर्ष नेताओं के जेल में बंद होने से पार्टी मुश्किलों का सामना कर रही है, जबकि 8 फरवरी को देश में आम चुनाव होने हैं। बता दें कि इमरान खान पीटीआई के संस्थापक और अध्यक्ष हैं और कुरैशी पार्टी के उपाध्यक्ष हैं।

दोनों नेताओं कोउच्च श्रेणी वाली बैरक में रखा गया- रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों नेताओं को जेल की उच्च श्रेणी वाली बैरक में रखा गया है, जहां वह सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। सुविधाओं में एक व्यायाम मशीन भी शामिल है।

जेल में पहनी जाने वाली वर्दी के दो सेट दिए गए- ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं को जेल मैनुअल के हिसाब मुताबिक जेल में पहनी जाने वाली वर्दी के दो सेट दिए हैं।

पाकिस्तान का बेड़ा पार लगाएंगी महिलाएं? हैरान कर रहा चुनावी दंगल का आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में इस बार चुनावी फिजा बदली-बदली सी नजर आ रही है। इसकी वजह है बड़ी संख्या में महिला उम्मीदवारों की दावेदारी। पाकिस्तान के पुरुष प्रधान चुनावी युद्धक्षेत्र में 3000 से अधिक महिला उम्मीदवार प्रतिद्वंद्वी पुरुष प्रत्याशियों को ललकारती नजर आ रही हैं।

चुनाव आयोग ने लाहौर के एनए-127 निर्वाचन क्षेत्र में कथित वोट खरीद मामले में लिया संज्ञान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने लाहौर के एनए-127 निर्वाचन क्षेत्र में वोटों की कथित खरीद की रिपोर्टों पर ध्यान दिया है और संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच के लिए एक समिति बनाने का निर्देश दिया है। डॉन के अनुसार, ईसीपी के अतिरिक्त महानिदेशक ने पंजाब के प्रांतीय चुनाव आयुक्त को लिखे एक पत्र में कथित ÷वोट खरीद÷ की त्वरित जांच की आवश्यकता पर जोर दिया और ईसीपी को एक व्यापक रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने की मांग की।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, इस बीच ईसीपी ने शनिवार को आगामी 8 फरवरी के आम चुनावों के लिए उपयोग किए जाने वाले चुनाव प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) का एक और मॉक टेस्ट आयोजित किया। ईसीपी ने परीक्षण को सफल बताया। चुनाव निकाय ने कहा कि चुनाव परिणामों के सारणीकरण और संकलन के लिए डिजाइन की गई प्रणाली ने सभी आवश्यक चरणों और लक्ष्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, इस बीच ईसीपी ने शनिवार को आगामी 8 फरवरी के आम चुनावों के लिए उपयोग किए जाने वाले चुनाव प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) का एक और मॉक टेस्ट आयोजित किया। ईसीपी ने परीक्षण को सफल बताया। चुनाव निकाय ने कहा कि चुनाव परिणामों के सारणीकरण और संकलन के लिए डिजाइन की गई प्रणाली ने सभी आवश्यक चरणों और लक्ष्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया।

चिली में 2010 के भूकंप के बाद आई सबसे भीषण आपदा, जंगल की आग में अबतक 112 लोगों की मौत; सैकड़ों लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य चिली के जंगल में आग भड़कने से तबाही मची हुई है। अग्निशामकों ने रविवार को जंगल में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस आग में अब तक 112 लोगों की मौत हो गई है और पूरे पड़ोस को नष्ट कर दिया गया है, जबकि राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक ने चेतावनी दी है कि देश को बहुत बड़ी त्रासदी का सामना करना पड़ रहा है।

अधिकारियों का कहना है कि इस आग में सैकड़ों लोग अभी भी लापता हैं। यह आशंका जताया जा रहा है कि मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। यह भी आशंका जताया जा रहा है कि पहाड़ियों और जंगल की आग से तबाह हुए घरों पर और अधिक शव पाया जा सकता है। शुक्रवार को लगी आग ने अब विना डेल मार और वालपराइसो के बाहरी इलाकों को खतरे में डाल दिया है, जो पर्यटकों के बीच लोकप्रिय शहर है।

आग की चपेट में आए कई आस-पास के इलाके - इन दोनों शहरों के शहरी विस्तार में राजधानी सैंटियागो के पश्चिम में दस लाख से अधिक निवासी रहते हैं। विना डेल मार क्षेत्र में रॉयटर्स द्वारा फिल्माए गए ड्रोन फुटेज में आस-पास का पूरा इलाका झुलसा हुआ दिखाई दे रहा है, जहां निवासी जले हुए घरों की भूसी तलाश रहे हैं, जहां नालीदार लोहे की छतें ढह गई हैं। सड़कों पर गाड़ियां सड़कों पर कूड़ा फैला रही थीं।

सबसे बकवास आदमी है; ऐसा क्या हो गया जो बेंजामिन नेतन्याहू पर बिगड़ गए बाइडेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच चल रही खूनी जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। अमेरिका के घातक हथियारों और खुद के बूते इजरायल फिलिस्तीनी शहर गाजा पट्टी पर कहर बरपा रहा है। इजरायल के इस युद्ध में दो मकसद हैं- पहला अपने बंधकों की सकुशल रिहाई और हमास आतंकियों का जड़ सहित खात्मा। इस बीच रिपोर्ट है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से नाराज हो गए हैं। बाइडेन का पारा इतना चढ़ गया कि उन्होंने नेतन्याहू के लिए आपत्तिजनक शब्दों तक का इस्तेमाल कर दिया। POLITICO की रिपोर्ट है कि बाइडेन ने नेतन्याहू को सबसे बकवास आदमी कहा है।

पिछले साल 7 अक्टूबर को जब हमास ने इजरायली धरती पर कत्लेआम मचाया तो इजरायल को हमास के खात्मे का मौका और ठोस कारण दोनों मिल गए। हमास हमले के बाद से इजरायली सेना चुन-चुनकर फिलिस्तीनी आतंकियों को मार रही है। इस हमले में हालांकि निर्दोषों की भी बड़े पैमाने पर हत्या हो रही है। गाजा पट्टी में अब तक हुए कत्लेआम में मरने वालों की संख्या कम से 26 हजार पार कर गई है।

कट्टरपंथी इजरायली नागरिकों-हमास नेताओं के खिलाफ प्रतिबंध लगाएगा कनाडा, विदेश मंत्री मेलानी जोली का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा है कि कनाडा फलिस्तीनी क्षेत्रों में चरमपंथी इजरायली निवासियों और हमास नेताओं पर प्रतिबंध लगाएगा। सीबीसी न्यूज चैनल पर एक साक्षात्कार में जोली ने कहा कि सरकार इस फैसले पर सक्रिय रूप से काम कर रही है।

कनाडा स्थित सीबीसी न्यूज के मुताबिक, जोली यूक्रेन दौरे पर हैं, जहां उन्होंने यूक्रेनी अधिकारियों के साथ बैठकें कीं और चल रहे युद्ध से प्रभावित स्थलों का दौरा किया। सीबीसी के मुख्य राजनीतिक संवाददाता रोजमेरी बार्टन से बात करते हुए जोली ने कहा, हम चरमपंथी बसने वालों पर प्रतिबंध लगाएंगे और हम हमास नेताओं पर नए प्रतिबंध भी लाएंगे।

उन्होंने कहा, मैं यह सुनिश्चित कर रही हूं कि जब तक मैं यूक्रेन में हूं, काम ओटावा में हो रहा है और मैं जल्द ही घोषणाएं करने के लिए उत्सुक हूं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शुक्रवार को कहा कि कनाडा वेस्ट बैंक में अवैध बस्तियों में रह रहे कुछ इजरायलियों पर प्रतिबंध लगाने के विकल्प पर विचार कर रहा है।

ओंटारियो के वाटरलू में एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रूडो ने कहा, वेस्ट बैंक में बसने वालों की हिंसा बिल्कुल अस्वीकार्य है और यह क्षेत्र में शांति और स्थिरता को खतरे में डालती है, जो दो-राज्य समाधान की दिशा में रास्ता बिल्कुल जरूरी है।

मेलानी जोली ने कहा कि कनाडा लड़ाई को समाप्त करने का रास्ता खोजने और दीर्घकालिक समाधान खोजने की दिशा में काम करने के लिए समर्पित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हमास अपने हथियार डाल दे और इसे लंबे संघर्षविराम की राह पर बढ़ने का पहला कदम बताया।

सीबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण हमें बंधक समझौते को हासिल करने की जरूरत है। बंधकों को वापस लाने और रिहा करने की जरूरत है। हमें गाजा में अधिक मानवीय सहायता की जरूरत है।

लोकतंत्र की हत्या हो गई, हम हैरान हैं; चंडीगढ़ मेयर चुनाव पर भड़का सुप्रीम कोर्ट, अफसर को लताड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंडीगढ़ मेयर चुनाव में बैलेट पेपर से छेड़छाड़ करने के आरोपों में सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को केस की सुनवाई करते हुए कहा कि यह साफ है कि चुनाव अधिकारी ने बैलेट पेपर्स में गड़बड़ी कर दी। बेंच की अध्यक्षता कर रहे चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, क्या इस तरह से चुनाव कराए जाते हैं? यह लोकतंत्र का मजाक है। यह लोकतंत्र की हत्या है। हम हैरान हैं। इस शख्स पर केस चलना चाहिए। क्या चुनाव अधिकारी का ऐसा बर्ताव हो सकता है? इसके साथ ही अदालत ने आदेश दिया कि बैलेट पेपर समेत चुनाव से जुड़ी सभी चीजों को सुरक्षित रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को आदेश दिया कि वह चुनाव प्रक्रिया की वीडियोग्राफी समेत सभी चीजों को सुरक्षित रखें।

यही नहीं अदालत ने चंडीगढ़ नगर निगम की होने वाली मीटिंग को भी अगली सुनवाई तक के लिए स्थगित कर दिया है। चुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को पराजित घोषित किया गया था और उन्होंने इस नतीजे को गलत बताते हुए आरोप लगाया था कि हमारे पार्षदों के वोटों से छेड़छाड़ की गई है।

सालाना उर्स पर ही खुलता है ताजमहल का रहस्यमय तहखाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ताजमहल में सालाना उर्स को लेकर विवाद चल रहा है। अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने ताजमहल में सालाना उर्स पर रोक लगाने के लिए आगरा कोर्ट में याचिका दायर कर दी है। याचिका में मांग की गई है कि बिना एएसआई के अनुमति के ताजमहल में उर्स आयोजन नहीं होना चाहिए। बता दें कि मुगल बादशाह शाहजहां की पुण्यतिथि के मौके पर इस उर्स का आयोजन होता है। इस मामले को आगरा जिला अदालत के सिविल जज के सामने लिस्ट किया गया है। 31 मार्च को मामले की अगली सुनवाई होनी है। वहीं उर्स का आयोजन 6 फरवरी को ही होने जा रहा है।

ताजमहल परिसर में 6 से 8 फरवरी तक 369वें उर्स का आयोजन होने जा रहा है। इस दौरान लोगों को शामिल होने केलिए टिकट भी खरीदना पड़ता है। यह कार्यक्रम तीन दिन तक चलता है। कहा जाता है कि शाहजहां ने ही अपनी बेगम मुमताज की याद में यमुना के किनारे ताजमहल बनवाया था। 1631 में मुमताज की मौत हुई थी और इसके एक साल बाद ही ताजमहल बनने का काम शुरू हो गया था। हालांकि इसे पूरा होने में 30 साल का वक्त लग गया और यह 1652 में बनकर तैयार हुआ।

पश्चिमी विक्षोभ ने बदला मौसम, यूपी-बिहार में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ताजा पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में ठंड और गलन लौटा लाया है। वहीं पहाड़ों में बर्फबारी की वजह से ठंडी हवाएं पूरे उत्तर भारत को चपेट में ले रही हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन दिनों तक इसी तरह की स्थितियां बनी रह सकती हैं। वहीं बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और उपहिमालयी क्षेत्रों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने राजधानी दिल्ली में बारिश का येलो अलर्ट जारी करते हुए ओले गिरने की भी आशंका जताई है। पहाड़ों हो रही लगातार बर्फबारी की वजह से मौसम विभाग ने हिमस्खलन का अलर्ट जारी किया है। कई जगहों पर बर्फ की मोटी चादर की वजह से यातायात बाधित हो गया है। श्रीनगर के कई इलाकों में जाने का रास्ता बंद हो गया है। वहीं मौसम को देखते हुए हवाई यातायात भी रोक दिया गया है। फरवरी की शुरुआत से ही जोरदार बर्फबारी शुरू हो गई है। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में 5 और 6 तारीख को भी बारिश हो सकती है। पंजाब और हरियाणा में कोहरा छाए रहने की संभावना है।

जनवरी का महीना पहाड़ी इलाकों में अपेक्षाकृत गरम था। वहीं अब मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में हिमस्खलन का अलर्ट जारी किया है।

प्राइवेट नौकरी में स्थानीय युवाओं को 75% आरक्षण मिलेगा या नहीं? सुप्रीम कोर्ट पहुंची हरियाणा सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्राइवेट नौकरी में स्थानीय युवाओं को 75त्त आरक्षण देने वाले कानून को पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के रद्द करने वाले फैसले को चुनौती दी गई है। इसे लेकर हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एससी इस मामले पर सुनवाई करने के लिए तैयार हो गया है। हरियाणा सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने सोमवार को कहा कि पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का फैसला सही नहीं है। उन्होंने कहा कि आरक्षण को रद्द करने के आदेश में उचित कारण नहीं बताए गए। साथ ही इस मामले पर जल्द सुनवाई होने चाहिए और इसे निपटाने की आखिरी तारीख भी बताई जानी चाहिए।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने आश्वासन दिया कि वह मामले को जल्द ही अंतिम निपटान के लिए लिस्टेड करेगी। बता दें कि हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मार्च 2021 में हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों के रोजगार विधेयक को अपनी मंजूरी दी थी। राज्य के मूल निवासी अभ्यर्थियों के लिए निजी क्षेत्र की नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करना 2019 विधानसभा चुनावों के समय जननायक जनता पार्टी (जजपा) का प्रमुख चुनावी वादा था। चुनावों के बाद जजपा ने भाजपा को समर्थन दिया और सरकार बनाई, क्योंकि भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने से चूक गई।

पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को लेकर वकील अक्षय भान ने बताया था कि पीठ ने पूरे अधिनियम को रद्द कर दिया। भान ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने यह दलील दी कि हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों का रोजगार अधिनियम, 2020 संविधान के अनुच्छेदों 14 और 19 का उल्लंघन करता है। अदालत के आदेश में कहा गया, हमारी राय है कि रिट याचिकाएं मंजूर की जानी चाहिए।

प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली से सख्ती के साथ निपटने को विधेयक लोकसभा में पेश

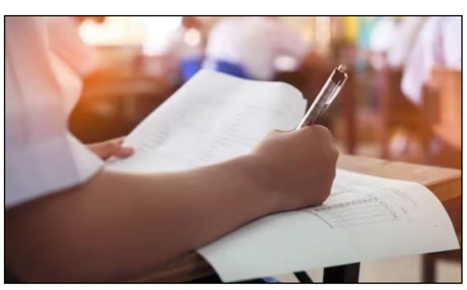

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली और अनियमितताओं से सख्ती से निपटने वाला विधेयक आज, सोमवार को लोकसभा में पेश कर दिया। परीक्षा का पेपर लीक कराने या सॉल्वर गैंग चलाने वालों सख्त कार्रवाई वाले इस विधेयक में 10 साल की जेल का प्रावधान रखा गया है। वहीं मामले में एक करोड़ रुपए तक का फाइन निर्धारित है।

परीक्षाओं में धांधली पर सख्ती से जुड़े इस विधेयक का नाम लोक परीक्षा (अनुचित साधन रोकथाम) विधेयक 2024 है जिसे केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पेश किया। पिछले कुछ समय में परीक्षाओं का पेपर लीक होने की कई खबरें आई थीं जिनमें प्रमुख राजस्थान शिक्षक भर्ती पेपर लीक, हरियाणा में ग्रुप डी भर्ती के लिए सीईटी पेपर लीक, गुजरात में जूनियर क्लर्क भर्ती परीक्षा का पेपर लीक और बिहार कांस्टेबल भर्ती पेपर लीक केस प्रमुख हैं।

यह विधेयक लोक परीक्षाओं में उच्च स्तर की पारदर्शिता लाने, सुचिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है। वहीं जो अभ्यर्थी परीक्षाओं में इमानदारी से मेहनत करना चाह रहे हैं इस पारदर्शिता का इनाम मिलेगा और उनका भविश्य सुरक्षित रहेगा।

यह बिल छात्रों को प्रभावित किए बगैर संगठित गैंग, माफिया और जो परीक्षाओ में धांधली करने से जुड़े हैं उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करता है। यदि कोई सरकारी कर्मचारी भी पेपर लीक में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी बख्शा नहीं जाएगा।

लोक परीक्षाओं के लिए बली हाई लेवल नेशनल टेक्निकल कमिटी परीक्षा का अधिक सुरक्षित बनाने के लिए आने वाले समय में कम्प्यूटराइज्ड परीक्षा आयोजित कराने के लिए अपने सुझाव देगी। समिति की ओर से परीक्षा के प्रयोग में लाये जाने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए भी एक प्रोटोकॉल विकसित करेगा।

चुनाव प्रचार में न हो बच्चों का इस्तेमाल, गोद उठाना और गाड़ी में बैठाने की भी मनाही; इलेक्शन कमीशन सख्त

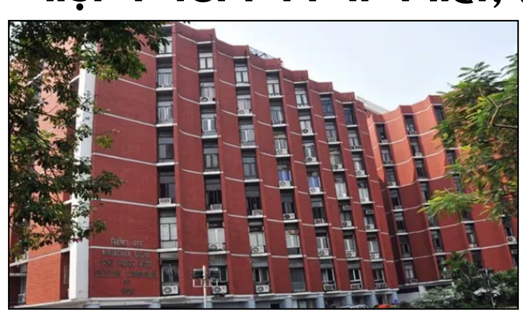

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव प्रचार अभियान में बच्चों का इस्तेमाल करने पर इलेक्शन कमीशन ने कड़ी नाराजगी जताई है। लोकसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों से कहा कि वे पोस्टर और पर्चों सहित प्रचार की किसी भी सामग्री में बच्चों का इस्तेमाल किसी भी रूप में न करें। राजनीतिक दलों को इसे लेकर श्र्ष्ट ने परामर्श जारी किया। इसमें आयोग ने दलों और उम्मीदवारों की ओर से किसी भी तरीके से बच्चों का इस्तेमाल किए जाने के प्रति अपनी कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति से अवगत कराया।

चुनाव आयोग ने कहा कि नेताओं और उम्मीदवारों को प्रचार गतिविधियों में बच्चों का इस्तेमाल किसी भी तरीके से नहीं करना चाहिए, चाहे वे बच्चे को गोद में उठा रहे हों या वाहन में या फिर रैलियों में बच्चे को ले जाना हो। इलेक्शन कमीशन की ओर से जारी बयान में कहा गया, %किसी भी तरीके से राजनीतिक प्रचार अभियान चलाने के लिए बच्चों के इस्तेमाल पर भी यह प्रतिबंध लागू है जिसमें कविता, गीत, बोले गए शब्द, राजनीतिक दल या उम्मीदवार के प्रतीक चिह्न का प्रदर्शन शामिल है। गौरतलब है कि हाल-फिलहाल में चुनावी कैंपेन के दौरान बच्चों का इस्तेमाल बढ़ता देखा गया है। अलग-अलग पार्टियों के नेता चुनाव प्रचार के दौरान छोटे बच्चों के साथ वोट मांगते दिख जाते हैं।

आयोग ने कहा, अगर कोई नेता जो किसी भी राजनीतिक दल की चुनाव प्रचार गतिविधि में शामिल नहीं है और वह कोई बच्चा अपने माता-पिता या अभिभावक के साथ उसके समीप केवल मौजूद रहता है। ऐसी परिस्थिति में यह दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने निर्वाचन आयोग के प्रमुख हितधारकों के रूप में राजनीतिक दलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर लगातार जोर दिया है। खासतौर से उन्होंने आगामी संसदीय चुनावों के मद्देनजर लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में उनसे सक्रिय भागीदार बनने का आग्रह किया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 पौष कृष्ण एकादशी

संपादकीय

समय के साथ खानपान, रहन-सहन, वेशभूषा के साथ मूल्यों और परंपराओं में भी कम या ज्यादा परिवर्तन स्वाभाविक है...

समय परिवर्तनशील है। समय के साथ खानपान, रहन-सहन, वेशभूषा के साथ मूल्यों और परंपराओं में भी कम या ज्यादा परिवर्तन स्वाभाविक है। हमारे सभी संबंध परस्पर प्रेम और सम्मान की भावना से ही पल्लवित - पुष्पित होते हैं। जन्म से प्राप्त संबंधों पर किसी का नियंत्रण नहीं होता, लेकिन मित्र, प्रेमी-प्रेमिका, जीवनसाथी अधिकतर हम स्वयं चुनते हैं । कुछ समय पहले ऐसी खबरें सुर्खियों में आईं, जिनमें सहजीवन में रह रहे युगल में से लड़के ने अपनी प्रेमिका की नृशंस हत्या कर दी। ऐसी घटनाएं सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि ये तथाकथित प्रेम संबंध इतनी बुरी स्थिति में कैसे पहुंच गया ? इसी प्रकार महिलाओं द्वारा भी अपने पुरुष मित्र या पति के साथ किए गए अप्रत्याशित व्यवहार संबंधी घटनाओं की भी खबरें आती हैं। ऐसे संबंध सामान्य नहीं कहे जा सकते। शायद ऐसे ही रिश्तों के लिए पिछले कुछ वर्षों एक शब्द टाक्सिक रिलेशनशिप या विषाक्त हो चले रिश्ते का चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसे रिश्ते में कोमल भावनाओं का स्थान ईर्ष्या, घृणा, दुर्व्यवहार ले लेते हैं।

जिस संबंध में निजता का सम्मान न हो, संदेह या दुर्भावना हो, उसे स्वस्थ संबंध नहीं कहा जा सकता। पीड़ादायक और हानिकारक रिश्ते को कड़वाहट से भरा संबंध कह सकते हैं। ऐसे में एक व्यक्ति दूसरे को सीमा से अधिक नियंत्रित करने के प्रयास में लग जाता 7 अपने साथी पर नियंत्रण प्राप्त करने के लिए अनर्गल आरोप लगाना, संदेह करना, अनैतिक और गलत व्यवहार करना इसके लक्षण हैं।

इसमें प्रेम का संबंध नकारात्मक होने लगता है। ऐसा होने पहले कई तरह के संकेत मिलने आरंभ हो जाते हैं। एक साथी का अकारण दूसरे को ताने देना, शक करना, बात-बात पर साथी का फोन देखना शुरू हो जाता है। अविश्वास करने से इसकी शुरुआत होती है। असल में अपनी असुरक्षा की भावना की वजह से हीनभावना से ग्रस्त एक साथी दूसरे के सामान्य व्यवहार पर भी संदेह करने लगता है। चूंकि ऐसे व्यक्ति किसी पर विश्वास नहीं कर पाते, इसलिए वे अपने साथी पर पूरा नियंत्रण करने की कोशिश में लग जाते हैं। थोड़ा-बहुत संवेदनशील होना बुरा नहीं है, पर जब दोनों में से कोई एक अगर दूसरे के स्वतंत्र व्यक्तित्व को स्वीकार नहीं कर पाता, तब स्थिति बहुत खराब हो जाती है।

इस तरह के जहरीले रिश्ते से बाहर निकलना अक्सर बेहद कठिन होता है। लोगों को आशा रहती है कि उनका साथी सुधर जाएगा। दूसरी ओर, वह साथी भी उम्मीद दिलाता है कि दोबारा ऐसी कोई गलती नहीं करेगा, जिससे उसे दुख हो । अकेलेपन का डर, शादीशुदा हैं तो परिवार, बच्चे और समाज की प्रतिष्ठा आदि कई कारण होते हैं, जिसमें लोग चाहकर भी ऐसे रिश्ते से नहीं निकल पाते। परिवार द्वारा तय किए गए संबंधों में भी ऐसी स्थिति आ सकती है, पर तब परिवार साथ खड़ा होता है और यह प्रयास किया जाता है कि बात अगर संभल सकती है तो संभल जाए ।

रिश्तों में इस प्रकार की बातें न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी पीड़ादायी होती है। यह निजी जीवन को तो प्रभावित करती ही है, पेशेवर जीवन पर भी बुरा असर डालती है। ऐसे संबंधों को सुलझाने के लिए आपसी संवाद पहली कड़ी है। अगर इससे बात न बने तो मनोवैज्ञानिक इन विषयों सलाह देते हैं कि अगर स्थिति बिगड़ रही हो तो तत्काल किसी काउंसलर से सलाह और सहयोग ले लेना चाहिए।

वे दोनों पक्षों की बातें सुनकर सुधारात्मक उपाय बता सकते हैं। ऐसे मामलों में अगर किसी भी तरह से बात बनने की संभावना न रहे तो समय रहते इससे बाहर आना ही बेहतर उपाय है। पुरुष हो या महिला, सबसे पहले अपनी भावनाओं पर नियंत्रण पाना आवश्यक है।

मोतीलाल नेहरू

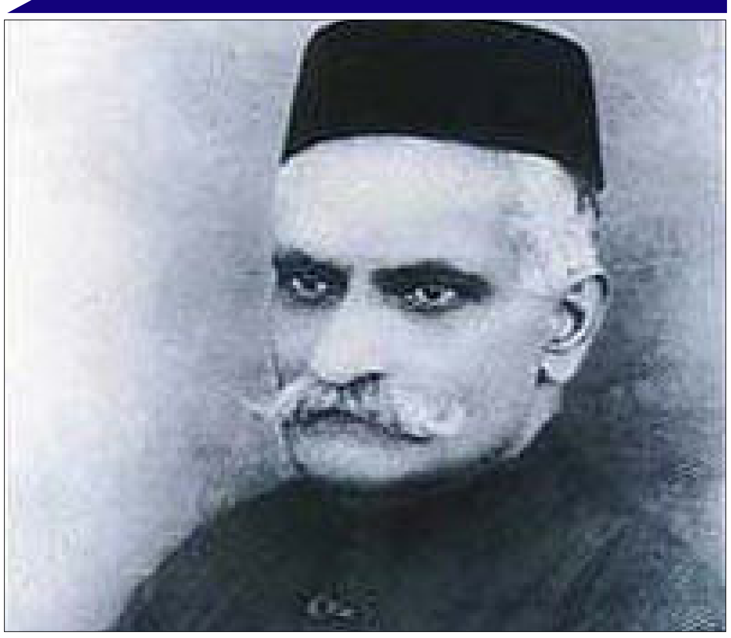

पं. मोतीलाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पिता थे। ये कश्मीरी ब्राह्मण थे। इनकी पत्नी का नाम स्वरूप रानी था। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में मोतीलाल नेहरू एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने न केवल अपनी ज़िंदगी की शानोशौकत को पूरी तरह से ताक पर रख दिया बल्कि देश के लिए परिजनों सहित अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। मोतीलाल नेहरू अपने समय में देश के प्रमुख वकीलों में थे। वह पश्चिमी रहन-सहन, वेषभूषा और विचारों से काफ़ी प्रभावित थे। किंतु बाद में वह जब महात्मा गांधी के संपर्क में आए तो उनके जीवन में परिर्वतन आ गया। पंडित मोतीलाल नेहरू अपने समय के शीर्ष वकीलों में थे। उस समय वह हज़ारों रुपए की फीस लेते थे। उनके मुवक्किलों में अधिकतर बड़े ज़मींदार और स्थानीय रजवाड़ों के वारिस होते थे, किंतु वह ग़रीबों की मदद करने में पीछे नहीं रहते थे।

पारिवारिक पृष्ठभूमि

पं. मोतीलाल नेहरू के पिता पंडित गंगाधर नेहरू, जब दिल्ली में लूटपाट और कत्ले आम मचा था, अपना सब कुछ छोड़कर अपने परिवार को लेकर किसी तरह सुरक्षित रूप से आगरा पहुंच गए थे। लेकिन वह आगरा में अपने परिवार को स्थायी रूप से जमा नहीं पाए थे कि सन् 1861 में केवल चौंतीस वर्ष की छोटी-सी आयु में ही वह अपने परिवार को लगभग निराश्रित छोड़कर इस संसार से कूच कर गए। पंडित गंगाधर नेहरू की मृत्यु के तीन महीने बाद 6 मई 1861 को पंडित मोतीलाल नेहरू का जन्म हुआ था। पंडित गंगाधर नेहरू के तीन पुत्र थे। सबसे बड़े पंडित बंसीधर नेहरू थे, जो भारत में विक्टोरिया का शासन स्थापित हो जाने के बाद तत्कालीन न्याय विभाग में नौकर हो गए। उनसे छोटे पंडित नंदलाल नेहरू थे जो लगभग दस वर्ष तक राजस्थान की एक छोटी-सी रियासत खेतड़ी के दीवान रहे। बाद में वह आगरा लौट आए। उन्होंने आगरा में रहकर क़ानून की शिक्षा प्राप्त की और फिर वहीं वकालत करने लगे। इन दो पुत्रों के अतिरिक्त तीसरे पुत्र पंडित मोतीलाल नेहरू थे। पंडित नन्दलाल नेहरू ने ही अपने छोटे भाई मोतीलाल का पालन-पोषण किया और पढ़ाया-लिखाया। पंडित नन्दलाल नेहरू की गणना आगरा के सफल वकीलों में की जाती थी। उन्हें मुक़दमों के सिलसिले में अपना अधिकांश समय इलाहाबाद में हाईकोर्ट बन जाने के कारण वहीं बिताना पड़ता था। इसलिए उन्होंने इलाहाबाद में ही एक मकान बनवा लिया और अपने परिवार को लेकर स्थायी रूप से इलाहाबाद आ गए और वहीं रहने लगे। जब मोतीलाल नेहरू 25 वर्ष के थे तो उनके बड़े भाई का निधन हो गया।

प्रारंभिक जीवन

मोतीलाल नेहरू का जन्म एक कश्मीरी पण्डित परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम गंगाधर था। वह पश्चिमी ढ़ंग की शिक्षा पाने वाली प्रथम पीढ़ी के गिने-चुने भारतीयों में से एक थे। पंडित मोतीलाल नेहरू पढ़ने-लिखने में अधिक ध्यान नहीं देते थे लेकिन अपने स्कूल और कॉलेज में अपनी हंसी-मज़ाक और खेल-कूद के लिए विख्यात थे। आरम्भ में उन्होंने अरबी और फ़ारसी की शिक्षा प्राप्त की थी।

शिक्षा

पंडित मोतीलील नेहरू ने अपनी पढ़ाई-लिखाई की ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। जब बी.ए. की परीक्षा का समय आया तो उन्होंने परीक्षा की तैयारी बिलकुल ही नहीं की थी। उन्होंने पहला ही पेपर किया था तो लगा कि इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने की कोई आशा नहीं है, क्योंकि उस पेपर से उन्हें सन्तोष नहीं हुआ है और सोचकर उन्होंने बाकी पेपर नहीं दिए और ताजमहल की सैर करने चले गए।

लेकिन वह पेपर ठीक ही हुआ था। इसलिए प्रोफेसर ने उन्हें बुलाकर बहुत डांटा, लेकिन अब क्या हो सकता था। इसका परिणाम यह हुआ कि मोतीलाल नेहरू की शिक्षा यहीं समाप्त हो गई। वह बी.ए. पास नहीं कर पाए।

उनकी शुरुआती शिक्षा कानपुर और बाद में इलाहाबाद में हुई। शुरुआत में उन्होंने कानपुर में ही वकालत की।

पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव

अपने कॉलेज जीवन में ही मोतीलाल नेहरू पश्चिमी सभ्यता से इतने प्रभावित हो गए थे कि उन्होंने अपने आपको पूरी तरह उसी ढ़ांचे में ढाल लिया था। उस जमाने में कलकत्ता और बम्बई जैसे बड़े-बड़े नगरों मे ही लोगों ने पाश्चात्य वेश-भूषा, रहन-सहन और सभ्यता को अपनाया था लेकिन मोतीलील नेहरू ने इलाहाबाद जैसे छोटे-से शहर में पाश्चात्य वेश-भूषा और सभ्यता को अपनाकर एक नई क्रान्ति को जन्म दिया। भारत में जब पहली बाइसिकल आई तो मोतीलाल नेहरू ही इलाहाबाद के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने बाइसिकल ख़रीदी थी।

वकालत

मोतीलाल नेहरू की पढ़ाई भले ही अधूरी रह गई थी लेकिन वे आरम्भ से ही अत्यन्त कुशाग्र बुद्धि थे। ज्ञान और विद्वता की उनमें कमी नहीं थी। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट की वकालत की परीक्षा दी तो सब चकित रह गए। उन्होंने इस परीक्षा में प्रथम स्थान ही प्राप्त नहीं किया था, बल्कि उन्हें एक स्वर्ण पदक भी मिला था। उनकी रुचि आरम्भ से ही वकालत में थी। उन पर अपने बड़े भाई नंदलाल नेहरू का गहरा प्रभाव पड़ा था। नंदलाल नेहरू की गणना कानपुर के अच्छे वकीलों में की जाती थी। इसलिए मोतीलाल नेहरू ने अपनी वकालत उनके सहायक के रूप में ही आरम्भ की। पंडित मोतीलील नेहरू ने वकालत के पेशे में सफलता प्राप्त करने का दृढ़ निश्चय कर लिया था। इसलिए उन्होंने जी-तोड़ परिश्रम किया और बहुत जल्द उनकी गिनती कानपुर के तेज़-तर्रार वकीलों में होने लगी। उन्होंने तीन वर्ष तक कानपुर की ज़िला अदालतों में वकालत की और फिर इलाहाबाद आकर हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करने लगे। मोतीलाल नेहरू एक बैरिस्टर बने और इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश के शहर में बस गए। मोतीलाल जल्द ही अपने लिए इलाहाबाद के क़ानूनी व्यवसाय में प्रसिद्ध हो गये। अपनी सफलता के साथ उन्होंने इलाहाबाद के सिविल लेन में और एक घर ख़रीदा और उस घर का नाम आनंद भवन रखा। 1909 में प्रिवी कौंसिल, ग्रेट ब्रिटेन में अपनी योग्यता प्रदर्शित कर अपने क़ानूनी कैरियर के शिखर पर पहुंच गये। लगातार यूरोप के दौरे करने से पारंपरिक रूढ़िवादी हिंदू धर्म का कश्मीरी ब्राह्मण समुदाय उनसे नाराज़ हो गया। समाज में प्रतिष्ठा पाने के लिए उन्हें कुछ धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए कहा, क्योंकि रूढ़िवादी ब्राह्मण समुदाय में प्रतिष्ठा पाने के लिए यह अनिवार्य था, किंतु मोतीलाल इन सब बातों को नहीं मानते थे।

उनकी जीवन शैली पाश्चात्य थी। वह एक धनी व्यक्ति थे। 1918 में महात्मा गांधी के प्रभाव से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रभाव में आये और गाँधी जी से प्रभावित होकर देशी भारतीय जीवन शैली अपनाकर अपने जीवन को बदलने की पहले की गई। अपने बड़े परिवार और परिवार के खर्चों को पूरा करने के लिए नेहरू कभी कभी क़ानून के अपने व्यवसाय को अपनाते थे। बाद में उन्होंने परिवार के लिए स्वराज भवन बनवाया। मोतीलाल नेहरू ने स्वरूप रानी, एक कश्मीरी ब्राह्मण से शादी कर ली।

संतान

मोतीलाल के घर जवाहरलाल नेहरू 1889 में पैदा हुए। बाद में उनके दो पुत्रियां सरूप, जो बाद में विजयलक्ष्मी पंडित के नाम से विख्यात हुई और कृष्णा, जो बाद में कृष्णाहठी सिंह के नाम से जानी गयीं, पैदा हुई। विजयलक्ष्मी पंडित ने अपनी आत्मकथा द स्कोप ऑफ हैप्पीनेस में बचपन की यादों को ताजा करते हुए लिखा है कि उनके पिता पूरी तरह से पश्चिमी विचारों और रहन-सहन के कायल थे। उस दौर में उन्होंने अपने सभी बच्चों को अंग्रेज़ी शिक्षा दिलवाई। विजयलक्ष्मी पंडित के अनुसार उस दौर में मोतीलाल नेहरू आनंद भवन में भव्य पार्टियां दिया करते थे जिनमें देश के नामी गिरामी लोग और अंग्रेज़ अधिकारी शामिल हुआ करते थे। लेकिन बाद में इन्हीं मोतीलाल के जीवन में महात्मा गांधी से मिलने के बाद आमूलचूल परिवर्तन आ गया और यहां तक कि उनका बिछौना ज़मीन पर लगने लगा।

राजनीतिक कैरियर

पंडित मोतीलाल की क़ानून पर पकड़ काफ़ी मज़बूत थी। इसी कारण से साइमन कमीशन के विरोध में सर्वदलीय सम्मेलन ने 1927 में मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जिसे भारत का संविधान बनाने का दायित्व सौंपा गया। इस समिति की रिपोर्ट को नेहरू रिपोर्ट के नाम से जाना जाता है। इसके बाद मोतीलाल ने इलाहबच्द उच्च न्यायालय आकर वकालत प्रारम्भ कर दी। मोतीलाल 1910 में संयुक्त प्रांत, वर्तमान में उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए। अमृतसर में 1919 के जलियांवाला बाग गोलीकांड के बाद उन्होंने महात्मा गांधी के आह्वान पर अपनी वकालत छोड़ दी। वह 1919 और 1920 में दो बार कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए।

सरकार के इस फैसलों के बाद बढ़ जाएगी केंद्रीय कर्मचारी की सैलरी, 8वां वेतन आयोग को लेकर हो सकता है एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कर्मचारियों को सरकार ने एक बड़ा तोहफा दिया है। दरअसल, जनवरी में सरकार उन्हें 50 फीसदी का महंगाई भत्ता का भुगतान देंगे। अब बस कर्मचारियों को केंद्र सरकार के एलान का इंतजार है। इस एलान के बाद कर्मचारियों को बड़ा तोहफा मिलेगा। दरअसल, महंगाई भत्ते के बढ़ जाने के बाद कर्मचारियों की सैलरी में भी इजाफा होगा। यह इजाफा केंद्र सरकार द्वारा बनाए जाने वाले एक नियम के तहत होगा।

क्या है नियम- केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता हर 6 महीने में बढ़ेगा। वर्तमान में कर्मचारियों को 46 फीसदी के हिसाब से महंगाई भत्ता मिल रहा है। अगर जनवरी 2024 में फिर से महंगाई भत्ते में बढ़त होती है तो उन्हें 50 फीसदी महंगाई भत्ता मिलेगा।

हालांकि, वर्ष 2016 में डीए को लेकर एक नियम बनाया गया ता। इस नियम के अनुसार जैसे ही कर्मचारियों का डीए 50 फीसदी होगा, वैसे ही इसे शून्य कर दिया जाएगा। सैलरी में कैसे होगा इजाफा

महंगाई भत्ते में बढ़त होने के बाद कर्मचारियों की बेसिक सैलरी में जबरदस्त इजाफा होगा। दरअसल, वर्ष 2016 में 7वां वेतन आयोग लागू किया था।

तब महंगाई भत्ते को शून्य कर दिया गया था। इस से कर्मचारियों को यह फायदा हुआ कि उनके डीए को उनकी बेसिक सैलरी में जोड़ दिया गया।

8 फरवरी से खुलेगा सोलर एनर्जी कंपनी का IPO, 115 प्राइस बैंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में बजट के बाद से सोलर एनर्जी कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। ऐसे में अगर आप भी किसी सोलर एनर्जी से जुड़ी कंपनी पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके पास एक शानदार मौका आ रहा है। दरअसल, सोलर एनर्जी सॉल्यूशंस प्रोवाइडर अल्पेक्स सोलर लिमिटेड का आईपीओ इसी सप्ताह से निवेश के लिए ओपन हो रहा है। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, आईपीओ 8 फरवरी को निवेश के लिए ओपन होगा। निवेशक इस इश्यू में 12 फरवरी तक दांव लगा सकते हैं। वहीं, एंकर (बड़े) निवेशक 7 फरवरी को बोली लगा पाएंगे। सोलर एनर्जी सॉल्यूशंस प्रोवाइडर अल्पेक्स सोलर लिमिटेड ने अपने 75 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए प्रति शेयर 109-115 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, इस आईपीओ में 64,80,000 इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल होगा। एंकर हिस्से के लिए 18.45 लाख इक्विटी शेयर, मार्केट मेकर के लिए 3.24 लाख इक्विटी शेयर, एनआईआई के लिए 9.24 लाख इक्विटी शेयर, क्यूआईबी के लिए 12.31 लाख शेयर और रिटेल (आरआईआई) हिस्से में 21.55 लाख इक्विटी शेयर रिजर्व किए गए हैं।

2024 के पहले महीने में सर्विस सेक्टर में आई तेजी ,6 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची पीएमआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक मासिक सर्वेक्षण के अनुसार जनवरी 2024 में भारत में सर्विस सेक्टर में तेजी देखने को मिली है। यह छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। घरेलू और बाहरी ग्राहकों की भारी मांग के बीच नए कारोबार में तेज गति से विस्तार हुआ।

एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स जनवरी में बढ़कर 61.8 हो गया, जो दिसंबर में 59 था। यह छह महीने में विस्तार की सबसे तेज दर की ओर इशारा करता है।

परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का मतलब विस्तार है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। इस सर्वेक्षण में लगभग 400 सर्विस सेक्टर की कंपनियों के पैनल को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों से संकलित किया गया है।

एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा- जनवरी में भारत की सेवा पीएमआई छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नए कारोबार का विस्तार तेज गति से हुआ और भविष्य की गतिविधि के लिए प्रबंधकों की उम्मीदें मजबूत थीं। नए निर्यात व्यापार सूचकांक में तेजी आई, जिससे संकेत मिलता है कि भारत का सेवा निर्यात मजबूत बना हुआ है।

निर्यात बिक्री में दिखी तेजी- नई निर्यात बिक्री तीन महीनों में सबसे तेज़ गति से बढ़ी। इससे अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीन, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका सहित दुनिया भर में ग्राहकों को मुनाफा होने की संभावना है।

कंपनियों ने 2024 कैलेंडर वर्ष की शुरुआत में अपने कुल खर्चों में और वृद्धि देखी। इसमें भोजन, श्रम और माल ढुलाई को लागत दबाव के प्रमुख स्रोतों के रूप में पहचाना गया।

सर्वे के मुताबिक कारोबारी भरोसा और मजबूत हुआ है। मांग की मजबूती के अलावा, कंपनियों को उम्मीद है कि आने वाले वर्ष में निवेश और उत्पादकता में बढ़ोतरी से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी।

अपने हेल्थ इंश्योरेंस ने नहीं हैं खुश तो आसानी से करें पोर्ट, जानिए स्टेप बाय स्टेप गाइड

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्तमान में निवेश के ऑप्शन में हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी भी शामिल हो गया है। इस पॉलिसी में निवेश करना काफी आसान हो गया है। ऐसे में कई बार हम जल्दबाजी में किसी गलत पॉलिसी में निवेश कर देते हैं जिससे बाद में हमें नुकसान का सामना करना पड़ता है। अगर आप भी अपने हेल्थ इंश्योरेंस खुश नहीं हैं तो आप आसानी से इसे पोर्ट करा सकते हैं। जिस प्रकार हम सिम कार्ड को पोर्ट करते हैं, ठीक उसी प्रकार हम हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी को भी पोर्ट कर सकते हैं।

कैसे करें हेल्थ इंश्योरेंस पोर्ट- आप जिस कंपनी ने अपनी पॉलिसी को पोर्ट करवाना चाहते हैं उसमें पॉलिसी रिन्यूअल की तारीख से 45 दिन पहले पोर्ट के लिए आवेदन दें।

इसके बाद जब कंपनी द्वारा आपको प्रपोजल और पोर्टेबलिटी फॉर्म भेजा जाएगा।

पोर्टेबलिटी फॉर्म में पॉलिसीहोल्डर का नाम, फोन नंबर, ईमेल आदि सभी जरूरी जानकारी भरकर सबमिट करें।

फॉर्म सबमिट करने के बाद नई इंश्योरेंस कंपनी मौजूदा हेल्थ पॉलिसी कंपनी से संपर्क करेगी।

नई इंश्योरेंस कंपनी आईआरडीएआई की वेबसाइट की मदद से आपके पॉलिसी से जुड़ी डिटेल्स (जैसे- क्लेम हिस्ट्री, मेडिकल रिकॉर्ड्स आदि) जान सकती है।

बता दें कि अगर कंपनी को यह सभी जानकारी नहीं मिलती है तो वह हेल्थ इंश्योरेंस पोर्टेबिलिटी को होल्ड पर रख सकती है।

फेक जॉब ऑफर स्कैम में फंस सकते हैं आप, भूलकर भी न करें ये काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर बैंक एसबीआई की ओर से बैंक के ग्राहकों को जरूरी सूचना दी गई है। अगर आप भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहक हैं तो बैंक के इस लेटेस्ट अपडेट के बारे में जानना चाहिए।

साइबर सुरक्षा को लेकर रहें सचेत- दरअसल, एसबीआई ने ग्राहकों को उनकी साइबर सुरक्षा का ध्यान रखने को कहा है। कंपनी ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक लेटेस्ट पोस्ट शेयर किया है।

इस पोस्ट में बैंक ने ग्राहकों को फेक जॉब ऑफर स्कैम से बचने की सलाह दी है। बैंक ने वॉट्सऐप के जरिए किसी भी जॉब ऑफर मिलने को लेकर सचेत रहने को कहा है।

बैंक ने कहा है कि ग्राहकों को वॉट्सऐप के जरिए किसी भी तरह की जॉब ऑफर के लिए पेमेंट नहीं करनी है। यह एक झूठा प्रपोजल हो सकता है।

किसी भी जॉब ऑफर के लिए पेमेंट करने से पहले कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखा जाए तो आप स्कैम में फंसने से बच सकते हैं।

वॉट्सऐप पर आपको कोई जॉब ऑफर मिलता है तो सबसे पहले मैसेज भेजने वाले शख्स की पहचान सत्यापित कर लें।

जॉब ऑफर मिलने पर किसी भी तरह के सिक्योरिटी डिपॉजिट के लिए पैसे पे करने को कहा जाए तो न करें।

किसी नामी कंपनी के नाम पर पैसे लिए जा रहे हैं तो ऐसा बिल्कुल भी न करें, क्योंकि नामी कंपनियां कभी भी पैसे नहीं लेती हैं।

वॉट्सऐप पर मिले किसी भी फॉरवर्ड मैसेज पर यकीन न करें, यह अनवेरिफाइड सोर्स से होता है।

स्पैम मैसेज को फॉरवर्ड करने से बचें।

किसी भी तरह के ऑफर में फ्री में मिलने वाले सामान को लेकर झांसे में न आएं।

12 महीने के निचले स्तर पर पहुंचा रूस से तेल आयात

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस से भारत के कच्चे तेल आयात में जनवरी के दौरान लगातार दूसरे महीने गिरावट आई है और अब यह 12 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि, भारत रूस से लंबे समय तक कच्चे तेल का आयात करता रहेगा।

भारत ने रूस किया इतना निर्यात- ऊर्जा परिवहन पर नजर रखने वाली कंपनी वर्टेक्सा के डेटा के अनुसार, जनवरी में भारत ने रूस से हर रोज 12 लाख बैरल तेल का आयात किया है, जो पिछले वर्ष दिसंबर के 13.2 लाख बैरल प्रतिदिन से कम है। नवंबर 2023 के दौरान भारत ने रूस से हर रोज 16.2 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात किया था। हालांकि, रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। जनवरी में भारत ने हर रोज कुल 49.1 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात किया है और इसमें रूस की हिस्सेदारी एक चौथाई से थोड़ी कम रही है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

विपक्ष के नेताओं को जांच एजेंसियां जिस तरह से चुन-चुनकर लक्ष्य कर रही हैं

भोपाल। विपक्ष के नेताओं को जांच एजेंसियां जिस तरह से चुन-चुनकर लक्ष्य कर रही हैं, वह बताता है कि देश में कानून के शासन के सामने चुनौती खड़ी कर दी गई है। झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में चुनी हुई सरकारों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सत्ता पक्ष ने हमला किया है।

इनका मुकाबला केवल कांग्रेस की विचारधारा कर सकती है। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस गठबंधन की सरकार के बहुमत साबित करने पर कही।उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि कांग्रेस समान विचारधारा वाले दलों के साथ मिलकर इस तानाशाही का मुकाबला कर रही है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को जो जन समर्थन मिल रहा है, उससे आने वाले समय में भारत में फिर संवैधानिक मूल्यों का शासन होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ महापौर के चुनाव को लेकर टिप्पणी की है कि चंडीगढ़ में जो कुछ हुआ, वह लोकतंत्र का मजाक है, हम स्तब्ध हैं, हम इस तरह लोकतंत्र की हत्या नहीं होने देंगे, मतपत्रों को विकृत करने वाले अधिकारी पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। यह टिप्पणी बताती है कि देश की निर्वाचन प्रक्रिया किस तरह भ्रष्ट हो चुकी है।

कमल नाथ ने उम्मीद जताई कि सुप्रीम कोर्ट न केवल एक चुनाव पर, बल्कि देश में अलग-अलग तरह से लोकतंत्र को कुचलने की कोशिशों पर भी संज्ञान लेगा। अगर स्वतंत्र संस्थाएं और अधिकारी कानून की जगह सत्ता के हिसाब से चलने लगेंगे तो लोकतंत्र कमजोर हो जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने खेला गुल्ली डंडा

भोपाल। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को कहा कि खेलों की तरह असल जिंदगी में भी समन्वय जरूरी है, तभी ऊंचाइयों को छू पाएंगे। तीन दिवसीय जिला स्तरीय ओपन राज्यसभा सांसद खेल प्रतियोगिता के समापन पर उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में खिलाड़ियों को तीन चीजें सीखने को मिलती हैं।

अगर कप्तान मजबूत होता है तो टीम मजबूत होती है। कप्तान कितना ही बड़ा खिलाड़ी हो, लेकिन टीम ठीक नहीं है तो कप्तान कमजोर पड़ जाता है। दूसरा, टीम को मजबूत करने के लिए समन्वय जरूरी होता है और तीसरा जो खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते समय विरोधी टीम या खिलाड़ी के प्रति और खेल के प्रति निष्पक्ष सम्मान और उदारता दिखाता है, वही जिंदगी में आगे बढ़ पाता है।केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने विजेता और उपविजेता टीमों को नगद राशि एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस दौरान सिंधिया ने गिल्ली-डंडा भी खेला।

विशाल साहू नामक युवक धोखाधड़ी का शिकार हुआ

जबलपुर। शहर के उपनगरीय क्षेत्र गढ़ा अंतर्गत सूपाताल निवासी विशाल साहू नामक युवक धोखाधड़ी का शिकार हुआ है। जम्मू के करनाचक थाना क्षेत्र के अशोक कुमार भगत और उसके परिवार के सदस्यों प्रिंस, शिवानी और प्रीति ने साजिश रचकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। जब आरोपितों ने उससे लूटी सामग्री और राशि नहीं लौटाई तो पीड़ित ने पुलिस में शिकायत की। वहीं कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है। उसकी ओर से अधिवक्ता विजय कुमार यादव पैरवी कर रहे हैं। उनके तर्क सुनने के बाद कोर्ट ने पुलिस से रिपोर्ट तलब कर ली है।समय-समय पर मांगे रुपये

शिकायत के अनुसार जबलपुर के युवक की शिवानी से इंटरनेट मीडिया के जरिए बातचीत शुरू हुई थी। कुछ दिन में पारिवारिक मित्रता हो गई। उस तरफ से बताया गया कि प्रीति का विवाह पनागर जबलपुर में हुआ है।

सड़क के चौड़ीकरण का रास्ता हुआ साफ

ग्वालियर । हजीरा चौराहा से पड़ाव तक स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन द्वारा नौ करोड़ रुपये की राशि से तैयार की जा रही सड़क के चौड़ीकरण का रास्ता साफ हो गया है। स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक चार की ओर सड़क के चौड़ीकरण के लिए रेलवे की दीवार तोड़ने पर पैच फंसा हुआ था। इसके चलते एक तरफ तो सड़क तैयार हो चुकी है, लेकिन दूसरी लेन का निर्माण नहीं हो पा रहा था। अब रेलवे ने इस दीवार को तोड़ने पर सहमति दे दी है। जल्द ही रेलवे की दीवार के निर्माण के लिए टेंडर की प्रक्रिया की जाएगी।

दरअसल, स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन द्वारा प्लेटफार्म नंबर चार से हजीरा तक सड़क का निर्माण किया जा रहा है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस सड़क के चौड़ीकरण के निर्देश दिए थे। साथ ही भोपाल स्तर पर राशि स्वीकृत कराने के प्रयास किए। अगस्त 2023 में भूमिपूजन के साथ निर्माण शुरू कराया गया था, लेकिन रेलवे की दीवार पीछे करने के कारण सड़क बनना शुरू नहीं हो पाई। इस दौरान एक तरफ की सड़क बना दी गई, लेकिन दूसरी तरफ का काम आज तक अधूरा पड़ा है। रोड पर डिवाइडर बना दिया गया है।

रेलवे के अधिकारियों की शर्त थी कि वर्तमान दीवार को तोड़ने के बाद नई दीवार का निर्माण कार्पोरेशन ही कराए, जबकि कार्पोरेशन का कहना था कि वे इसके लिए रेलवे को पैसा ट्रांसफर करने के लिए तैयार है। इसी पर सहमति नहीं बन पा रही थी। अब नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई के निर्देश पर स्थानीय स्तर से बाउंड्रीवाल तैयार करने पर सहमति बन गई है। जल्द ही इसके लिए कार्पोरेशन द्वारा टेंडर प्रक्रिया की जाएगी।

जल्द कराएंगे टेंडर तानसेन रोड प्रोजेक्ट में रेलवे की दीवार तोड़कर नई दीवार बनाने पर सहमति बन गई है। अब यह काम रेलवे के बजाय हम ही करेंगे। इसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया की जाएगी।

नीतू माथुर, सीइओ स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन

50 हजार मतदताओं ने किए आवेदन, 14 हजार के सूची में जुड़े नाम

भोपाल । लोकसभा चुनाव के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा मतदाता सूची को तैयार किया जा रहा है। इसके लिए मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, कटवाने और संशोधित करने के लिए कुल 50 हजार 883 लोगों ने आवेदन किए थे। इनमें से सभी आवेदनों का सत्यापन कर लिया गया है जबकि दो हजार 821 आवेदन अब भी लंबित हैं।उप जिला निर्वाचन अधिकारी रविशंकर राय ने बताया कि सात विधानसभा क्षेत्रों से मतदाता सूची में कुल 14 हजार 839 नये मतदाताओं के नाम जोड़े गए है। जबकि 13 हजार 678 मतदाताओं ने अपने क्षेत्र की मतदाता सूची से नाम हटवाए हैं।इसके अलावा कई मतदाताओं ने दूसरे विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में नाम जुड़वा लिए हैं और 13 हजार 681 मतदाताओं ने वोटर कार्ड में संशोधन कराया है। इनमें पता और नाम में सुधार किया गया है। इस तरह मतदाता सूची को लगभग तैयार कर लिया गया है और इसका अंतिम प्रकाशन आठ फरवरी को किया जाएगा।

आइएटीओ ने तिघरा जलाशय पहुंचकर सुंदर प्रवासी पक्षियों की जल क्रीड़ा और कलरव का आनंद लिया

ग्वालियर । फेम ट्रिप पर ग्वालियर आए इंडियन एसोसिएशन आफ टूर आपरेटर्स (आइएटीओ) के 60 सदस्यीय दल ने दूसरे दिन रविवार को सुबह-सुबह तिघरा जलाशय पहुंचकर सुंदर प्रवासी पक्षियों की जल क्रीड़ा और कलरव का आनंद लिया। इस दौरान दल के सदस्यों को पक्षी विशेषज्ञ और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर संजय दत्त शर्मा ने प्रवासी पक्षियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान सदस्यों ने रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, सुरखाब, नोर्दन शावलर एवं पिनटेल जैसे प्रवासी पक्षियों को देखा। इस क्षेत्र में कम दिखाई देने वाली फ्लेमिंगोस को देखकर दल के सदस्य रोमांच से भर गए। दल के सदस्यों ने क्रूज व जलपरी में नौका विहार भी किया। इस दल ने तिघरा जलाशय पर लगभग दो घंटे का समय बिताकर प्रवासी पक्षियों की जल क्रीड़ा देखी। तिघरा जलाशय के भ्रमण के बाद फेम ट्रिप के सदस्यों ने जय विलास पैलेस व मोतीमहल की ऐतिहासिक घरोहरों का भ्रमण किया। मोतीमहल की अद्वितीय स्थापत्य कला जैसे दरबार हाल, जालियों की नक्काशी, जलनिकास प्रणाली व पेंटिंग देखकर फेम ट्रिप के सदस्य रोमांचित हो गए। साथ ही बैजाताल के तैरते रंग-मंच ने भी उन्हें खासा प्रभावित किया। इस दौरान स्वदेश दर्शन योजना के नोडल अधिकारी शिशिर श्रीवास्तव, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के क्षेत्रीय प्रबंधक संजय मल्होत्रा, आइआइटीटीएम के प्रोफेसर चंद्रशेखर बरूआ ने उन्हें इन धरोहरों की जानकारी दी। शाम के समय दल के सदस्यों को महाराज बाड़ा का भ्रमण कराया गया। बाड़ा पर मौजूद सात ऐतिहासिक इमारतों को देखकर सदस्यों को विदेश जैसा अनुभव हुआ। फसाड लाइटिंग से जगमगाती अलग-अलग स्थापत्य शैली की इमारतों को देखकर दल के सदस्य खुश नजर आए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अक्टूबर से शुरू होने वाले टूर कार्यक्रमों में अब ग्वालियर को भी शामिल किया जाएगा।

कमांड सेंटर की कार्यप्रणाली को भी समझाग्वालियर के इतिहास के अलावा दल के सदस्यों को स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन द्वारा शहर में इस्तेमाल की जा रही आधुनिक तकनीक से भी रूबरू कराया गया।

उमरीखेड़ा इंदौर में विकसित होगा ईको टूरिज्म एवं एडवेंचर पार्क

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने वन मंत्री श्री चौहान को दिया प्रस्ताव

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान को उमरीखेड़ा, इंदौर में ईको टूरिज्म एवं एडवेंचर पार्क बनाए जाने और रालामंडल अभ्यारण में आवश्यक विकास कार्य कराए जाने संबंधी प्रस्ताव सौंपा है। वन मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट से भोपाल में उनके निवास पर मुलाकात की और आश्वस्त किया कि यह कार्य शीघ्र कराया जाएगा।

प्रस्ताव अनुसार इन क्षेत्रों को विकसित किए जाने से इंदौर जिले के साथ-साथ उज्जैन, देवास, खंडवा, धार, शाजापुर, सीहोर, भोपाल आदि जिलों के सैलानियों के लिए ये स्थान भ्रमण के लिए नेशनल पार्क के विकल्प के रूप में मिल सकेंगे और यहां पहुंचकर वे प्राकृतिक सौंदर्य, वन्य जीव एवं नाइट सफारी का आनंद लेकर रोमांचित हो सकेंगे।

उमरीखेड़ा ऐसा पर्यटन स्थल है जहां प्रतिदिन सैलानी पहुँचकर वन्यजीव प्रेमी प्राकृतिक सौंदर्य एवं रोमांच का अनुभव करते हैं। ईको टूरिज्म एवं एडवेंचर पार्क उमरी खेड़ा में 290 हेक्टेयर क्षेत्र में बटरफ्लाई पार्क, ट्रैकिंग एडवेंचर जोन और इंटरप्रिटेशन सेंटर आदि हैं। विभाग द्वारा ईको टूरिज्म एवं एडवेंचर पार्क उमरीखेड़ा को विकसित करने के लिए लगभग 7 करोड रुपए की लागत का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत सैलानियों के लिए 145 लाख रूपये की लागत से 15 कॉटेज, 15 स्विस टेंट और 20 अन्य टेंट तैयार किए जाएंगे। इसके साथ ही 85 लाख रूपये की लागत से एडवेंचर पार्क, चिल्ड्रन पार्क, वॉच टॉवर्स, बटरफ्लाई पार्क, हर्ब्स पार्क, ओपन एयर थिएटर आदि का विकास किया जाएगा। योजना में 105 लाख रुपए की लागत से ट्रैकिंग ट्रेल, साइकलिंग ट्रेल, लोटस पाउंड और लैंडस्कैपिंग वर्क किया जाएगा। योजना में 90 लाख रूपये की लागत से कैफे एंड रेस्टोरेंट विकसित किया जाएगा। योजना में 80 लाख रुपए की लागत से सोलर पावर सिस्टम लगाया जाएगा। इसके साथ ही 195 लाख रुपए की लागत से साइड इंप्रूवमेंट, ब्यूटीफिकेशन कार्य एवं अन्य कार्य कराए जाएंगे। रालामंडल अभयारण्य लगभग 275 हेक्टेयर क्षेत्र फैला हुआ है। इसको विकसित करने के लिए विभाग द्वारा 3 करोड़ 94 लाख रुपए का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

राज्यसेवा मुख्य परीक्षा करवाने की जल्दी, आज छात्र देंगे धरना

इंदौर। परीक्षा और परिणामों में लेटलतीफी के लिए बदनाम मप्र लोकसेवा आयोग एमपीपीएससी अब परीक्षा में जल्दबाजी के लिए निशाने पर है। एमपीपीएससी ने राज्यसेवा मुख्य परीक्षा 2023 11 मार्च से करवाने की घोषणा की है। तारीख घोषित होते ही अभ्यर्थियों में असंतोष फैल गया है। सोमवार दोपहर अभ्यर्थी आयोग मुख्यालय के बाहर धरना देंगे। अभ्यर्थियों का कहना है कि आयोग तैयारी के लिए नियमानुसार न्यूनतम 90 दिन का समय भी नहीं दे रहा।

अभ्यर्थी न केवल परीक्षा के लिए पर्याप्त समय मांग रहे हैं बल्कि वे पीएससी की अन्य अनियमितताओं के खिलाफ भी आवाज उठा रहे हैं। आयोग बीते समय से मुख्य परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाएं परीक्षार्थियों को ही नहीं दिखा रहा है।

बसंत पंचमी पर तुलसी नगर में होगा सरस्वती महायज्ञ का आयोजन

अद्भुत ऊर्जा, दैवीय शक्ति के तेज से परिपूर्ण है तुलसी नगर स्थित माँ सरस्वती मंदिर

इंदौर। प्रत्येक वर्षो की तरह इस वर्ष भी तुलसी नगर स्थित सरस्वती मंदिर में विद्या एवं ज्ञान की अधिस्ठात्री देवी माँ शारदे की पूजा 14 फ़रवरी (बुधवार) बसंत पंचमी के दिन शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चारों के साथ पूर्ण धार्मिक विधि विधान से की जाएगी। 14 फ़रवरी को अपरान्ह 12 बजकर 10 मिनट तक पंचमी तिथि पड़ने के कारणरेवती एवं अश्विनी नक्षत्र के शुभ योग में माँ शारदे का विशेष श्रृंगार, पूजन एवं अभिषेक होगा। तत्पश्चात सरस्वती महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुगण परिवार , समाज, शहर एवं देश के कल्याणार्थ वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच आहुतियाँ देंगे।

इस महायज्ञ में स्थानीय निवासियों के आलावा, आसपास के स्कूलों के बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्राएं भी सम्मिलित होंगी। इस अवसर पर माँ सरस्वती को छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया जाएगा। शाम को शहर की प्रतिष्ठित भजन मण्डली द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत किया जाएगा, साथ ही महाप्रसादी का भी आयोजन होगा जिसके अंतर्गत क्षेत्र के श्रद्धालुगण माँ सरस्वती का महाप्रसाद ग्रहण करेंगे।

तुलसी नगर सरस्वती पूजा आयोजन समिति के के झा, राजेश तोमर, संजय यादव, शम्भुनाथ सिंह, भगवान झा, विवेक शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि

तुलसी नगर स्थित माँ सरस्वती मंदिर अद्भुत आध्यात्मिक एवं दैवीय ऊर्जा शक्ति के साथ साथ धार्मिक आस्था का केंद्र बन चुका है जहां वर्ष भर शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालुगण, छात्र छात्राएं माँ शारदे के समक्ष शीष नमा कर ज्ञान, सद्बुद्धि, विद्या का वरदान मांगते हैं।

सरस्वती मंदिर का निर्माण 13 अप्रैल 1994 को किया गया जहाँ माँ शारदे की प्राण प्रतिष्ठा हरिद्वार के प्रकांड पंडितों द्वारा पूर्ण वैदिक विधि से की गयी। पंडितों के अनुसार जिस भूमि पर माँ सरस्वती के मंदिर का निर्माण किया गया है वह अद्भुत ऊर्जा एवं दैवीय शक्ति के तेज से परिपूर्ण है और इसका आभास हर उस दर्शनार्थी को होता है जो मंदिर परिसर में माता के दर्शन के लिए प्रवेश करता है।

झा ने कहा प्रत्येक वर्ष बसंत पंचमी पर हजारों की संख्या में पुरे शहर से श्रद्धालु माँ शारदे का दर्शन कर उनकी अनुकम्पा, कृपा की कामना करते हैं। स्कूल, कॉलेज के बच्चे, छात्र, छात्राओं की इस मंदिर पर अपार श्रद्धा है और वो बसंत पंचमी के अलावा नियमित रूप से माँ के दर्शन कर कुशाग्र बुद्धि, विवेक एवं ज्ञान का वरदान मांगते हैं।

प्रदेश में 275 सीएम राइज स्कूल संचालित

आगामी 10 वर्षों में 9,200 सीएम राइज स्कूल शुरू करने का कार्यक्रम

इंदौर। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में सर्व-सुविधायुक्त वातावरण के साथ विद्यार्थियों को रोचक एवं आनंददायक शिक्षा देने के लिये सीएम राइज स्कूल की स्थापना की गई है। पहले चरण में 275 सीएम राइज स्कूल प्रारंभ किये जा चुके हैं। आने वाले 10 वर्षों में प्रदेश में 9,200 सीएम राइज स्कूल शुरू करने का कार्यक्रम तय किया गया है।

सीएम राइज स्कूल में के.जी. से कक्षा 12वीं तक के संचालन की व्यवस्था के साथ अंग्रेजी माध्यम से शिक्षण की व्यवस्था की गई है। राज्य में 269 सीएम राइज स्कूलों के नवीन भवन निर्माण के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने 9 हजार 500 करोड़ रुपये की वित्तीय मंजूरी भी दी है। इन स्कूलों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिये डिजिटल कक्षा, पूर्ण रूप से सुसज्जित प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय, कला, नृत्य, संगीत एवं योग शिक्षण की व्यवस्था भी की गई है।

स्कूलों में परिवहन की व्यवस्था

सीएम राइज स्कूलों में दूर से आने वाले विद्यार्थियों को सुविधा देने के मकसद से परिवहन की व्यवस्था भी की जा रही है। इससे स्कूल के आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। सीएम राइज स्कूल में बेहतर नेतृत्व प्रदान करने की दृष्टि से इन स्कूलों के प्राचार्यों को भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर में प्रशिक्षण दिलाया गया है। इसके साथ ही प्राचार्यों को राष्ट्रीय स्तर के ख्याति-प्राप्त विद्यालयों में एक्सपोजर विजिट कराया गया है।

योजना का द्वितीय चरण

सीएम राइज योजना के दूसरे चरण में 5,986 स्कूलों का चयन किया गया है। इनमें से 258 स्कूलों को दूसरे चरण में संचालित करने की स्कूल शिक्षा विभाग ने स्वीकृति जारी की है।

प्राचार्य हेण्ड-बुक

प्रदेश में सीएम राइज स्कूलों में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं को विश्व-मानकों के अनुरूप पूरा करने की दृष्टि से प्राचार्य और शिक्षकों के लिये अलग-अलग हेण्ड-बुक तैयार की गई हैं। विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति के लिये सीएम राइज स्कूलों के लिये छात्र डायरी तैयार की गई है। छात्रों के चिंतन एवं प्रभावी शिक्षण के लिये आवश्यक टूल्स को डायरी के पृष्ठों में शामिल किया गया है। इसके जरिये छात्रों की रचनात्मक गतिविधियों एवं शैक्षणिक प्रगति से पालकों को निरंतर अवगत कराया जाता रहेगा।

प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम डॉ. इलैया राजा टी ने ओंकारेश्वर का किया दौरा

इंदौर आगामी सिंहस्थ एवं ओंकारेश्वर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को दृष्टिगत रखते हुए प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम डॉ. इलैया राजा टी द्वारा ओंकारेश्वर का दौरा किया गया। उनके द्वारा ममलेश्वर मंदिर परिसर तथा समीपस्थ क्षेत्र के विकास, घाटों का सुदृढ़ीकरण एवं घाटों की सुरक्षा व्यवस्था तथा मंदिर स्थित रैंप को उपयोगी बनाने हेतु एमपी टूरिज्म के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। साथ ही खण्डवा कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह द्वारा सड़कों के चौड़ीकरण, साफ़ सफ़ाई तथा मंदिर मार्ग में अतिक्रमण हटाने हेतु राजस्व अधिकारियों एवं सीएमओ को निर्देशित किया गया।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

jagrayam.com
online news magazine

सर्वे भवन्तु सुखिनः

भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी – संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास – संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य – कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा – उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय – विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव – विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे – ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर – संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर – संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी – विशेष प्रतिनिधि

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार होगा उज्जैन विक्रमोत्सव, महाशिवरात्रि एवं नगर गौरव दिवस का आयोजन

उज्जैन। मुख्यमंत्री मा. डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार गुड़ी पड़वा के अवसर पर उज्जैन में मनाए जाने वाले नगर गौरव दिवस के पूर्व 40 दिनों तक भव्यता के साथ विभिन्न सांस्कृतिक, व्यापरिक एवं औद्योगिक आयोजन किये जायेंगे। इस क्रम में व्यापार मेला, सांस्कृतिक कार्यक्रम, इन्वेस्टर समिट का शुभारंभ 1 मार्च 2024 को उज्जैयनी विक्रम व्यापार मेले के शुभारंभ के साथ किया जाएगा एवं समापन 9 अप्रैल 2024 को शिवज्योति अर्पणम् महोत्सव के साथ किया जाएगा।

उज्जैन को व्यवसाय, पर्यटन एवं विकास की राह में आगे बढ़ाने के उद्देश से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार 1 मार्च 2024 से 9 अप्रैल 2024 तक पीजीबीटी कॉलेज मैदान से दशहरा मैदान तक उज्जैयनी विक्रम व्यापार मेला 2024 का आयोजन किया जा रहा है। लगभग 40 दिनों तक लगने वाले इस व्यापार मेले देश की प्रमुख ऑटो मोबाईल कम्पनियों एवं इलेक्ट्रानिक्स कम्पनियों द्वारा अपने प्रोडक्ट विक्रय हेतु लगाए जाएंगे साथ ही बड़ी कम्पनियों द्वारा नए प्रोडक्ट लांच किये जाएंगे। ऑटोमोबाइल की खरीदी पर टेक्स में शासन द्वारा 50 प्रतिशत दी जा रही छुट का लाभ नागरिक प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही व्यापार मेले के अन्य सेक्टरों में विभिन्न वस्तुओं की दुकानें रहेगी। मेले में नागरिकों के लिये फूड जोन भी रहेगा जिसमें विशेष रूप से मालवा के व्यंजनों का लुत्फ नागरिक उठा सकेंगे। व्यापार मेले में पर्यटन, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के माध्यम से वस्तुओं का प्रदर्शन और बिक्री की जायेगी।

उज्जैन जिला प्रशासन, नगर पालिक निगम उज्जैन सहित अन्य शासकीय विभागों के सहयोग से 1 मार्च से उज्जैयनी विक्रम व्यापार मेला 2024 का आयोजन पीजीबीटी कॉलेज मैदान एवं दशहरा मैदान के कुल 8 हेक्टेयर एरिया में किया जा रहा है। जहां कुल 401 दुकानें संचालित की जाएंगी। जिसमें से 220 दुकान पीजीबीटी मैदान एवं 181 दुकाने दशहरा मैदान में संचालित होगी।

आजाद स्मृति प्रसंग अभा कवि सम्मेलन की रूपरेखा तैयार

उज्जैन । अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर युवा जागृति मंच,आजाद साहित्य ग्रुप द्वारा 27 फरवरी को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर समिति सदस्यों ने कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई। आजाद ग्रुप के अध्यक्ष शेखर जैन की अध्यक्षता एवं ग्रुप के संयोजक एवं वरिष्ठ गीतकार आशु कवि नरेंद्र सिंह अकेला वरिष्ठ साहित्यकार सुगन चंद्र जैन प्रेम शर्मा पथिक की विशेष उपस्थिति में भृतहरि गुफा के समीप बैठक आयोजित की गई । जिसमें आयोजन की रूपरेखा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में प्रेम शर्मा पथिक, डॉ सुरेश सिंह यादव, राजेंद्र जैन कनासिया, मिथिलेश त्रिवेदी, अनिल पांचाल सेवक, डॉ अजय कीर्ति जैन , रमेश चंद्र चांगेसिया प्रभात आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आयोजन को लेकर अपने सुझाव दिए।

बैठक में प्रमुख रूप से सुखराम सिंह तोमर , प्रसन्न जैन राजेंद्र कोचर, मनोज गरवाल, नंदकिशोर पांचाल, मयूर शर्मा ऋषिराज, पदम् सिंह परिहार, हरदीप दायले, विजय शर्मा गोपी, राजेंद्र ठाकुर काका, प्रियम जैन, सेजमल कछवाय, आरएस सिंह राजपूत, शैलेंद्र जोशी आदि मौजूद रहे। संचालन संस्था के संरक्षक प्रोफेसर अप्रतुल शुक्ला ने किया। युवा जागृति मंच आजाद साहित्य ग्रुप के तत्वाधान में विगत 38 वर्षों से आयोजन किये जा रहे हैं। अभी तक संस्था द्वारा देश के कई वरिष्ठ कवियों साहित्यकरों अन्य विधाओं से जुड़ी प्रतिभाओं को आमंत्रित करते हुए उन्हें सम्मानित किया जा चुका है। इस वर्ष भी बाहर से आमंत्रित कवियों के अलावा संस्था से जुड़े कवियों रचनाकारों को काव्यपाठ के साथ सम्मानित किया जाएगा।

स्वर्णिम भारत थीम के साथ हुई दिगंबर जैन सोशल ग्रुप क्रिएटिव की शपथ

उज्जैन। आदित्य मंगलम ने अध्यक्ष, अंकुश डागरिया सचिव व वैभव कोटडिया ने कोषाध्यक्ष पद की ली शपथ, कार्यकारिणी के साथ सेवा कार्यों से संगठन को सर्वश्रेष्ठ बनाने का संकल्प

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप क्रिएटिव का पद ग्रहण समारोह स्वर्णिम भारत की थीम पर आयोजित किया गया। आदित्य मंगलम ने अध्यक्ष, अंकुश डागरिया सचिव व वैभव कोटडिया ने कोषाध्यक्ष पद की शपथ ली। कार्यकारिणी के साथ सेवा कार्यों से संगठन को सर्वश्रेष्ठ बनाने का संकल्प लिया।

अध्यक्ष आदित्य मंगलम व सचिव अंकुश डागरिया ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश विनायका राष्ट्रीय अध्यक्ष फेडरेशन, प्रमुख अतिथि देवेंद्र कंसल कार्यअध्यक्ष फेडरेशन, रश्मि जैन शपथ अधिकारी व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जबलपुर रहे। ध्वजारोहण स्नेहलता सोगानी ने किया और स्वागत भाषण ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष मनीष जैन घी वाले ने दिया। अतिथियों का स्वागत माधवी मंगलम, मधु डागरिया और शीतल कोटडिया ने किया। मंगल कलश स्थापना संतोष जिनेंद्र जैन एवं ज्योति जिनेंद्र जैन ने किया। कार्यक्रम में स्वर्णिम भारत पर आधारित आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति लीना जैन, सविता अंचलिया, श्वेता, मनीषा, तथा अनुजा बोहरा ने दी। जिससे वातावरण में देश भक्ति का रंग घुल गया।

ग्रुप के होनहार नोनीहाल बच्चों ने भी देश प्रेम से उत्प्रोत एक जोरदार परफॉर्मेंस दिया जिसे उपस्थित ग्रुप सदस्यों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में अध्यक्ष आदित्य मंगलम, सचिव अंकुश डागरिया, और कोषाध्यक्ष वैभव कोटडिया की मंच पर धमाकेदार एंट्री आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही, जिसमें सारा सदन झूम उठा।

कांग्रेस ने उज्जैन और इंदौर संभाग की लोकसभा चुनावी बैठक कर विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन कर आगामी लोकसभा चुनाव रणनीति तैयार की

उज्जैन। आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति को लेकर प्रदेश कांग्रेस द्वारा सोमवार को दो संभागों की बैठक आयोजित की गई। शहर कांग्रेस कार्यालय में आयोजित इस बैठक में मध्य प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी द्वारा संभाग भर से आए पदाधिकारी से लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई। एवं सभी जिलों के वरिष्ठ जनों एवं प्रभारी से अपने-अपने सुझाव लिए गए सर्वप्रथम शहर कांग्रेस के अध्यक्ष श्री रवि भदोरिया ने भंवर जितेंद्र सिंह जी एवं जीतू पटवारी जी का पुष्प माला पहनकर स्वागत किया श्री भदौरिया के स्वागत उद्बोधन के बाद क्रमवार सभी जिलों की मीटिंग की गई मीटिंग के पश्चात श्री राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर शहर अध्यक्ष श्री रवि भदोरिया द्वारा आयोजित संभागीय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न हुआ।

प्रवक्ता लालचंद भारती ने बताया कि सोमवार को शहर कांग्रेस कार्यालय में मध्य प्रदेश प्रभारी श्री भंवर जितेंद्र सिंह एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने आगामी लोकसभा चुनाव पर संभाग भर से आए कांग्रेस पदाधिकारी से चर्चा कर सुझाव लिए। सुबह 11ः00 बजे प्रारंभ हुई मैराथन बैठक में सर्वप्रथम उज्जैन संभाग के उज्जैन मंदसौर एवं शाजापुर के पदाधिकारी से लोकसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर चर्चा की गई, दोपहर बाद रतलाम एवं धार तथा इंदौर संभाग के खरगोन बड़वानी और इंदौर जिले के पदाधिकारी के सुझाव लिए। बैठक पश्चात कोयला फाटक स्थित महाकाल परिसर में कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न हुआ कार्यकर्ता सम्मेलन को मध्य प्रदेश प्रभारी श्री भंवर जितेंद्र सिंह प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी उज्जैन प्रभारी कुलदीप सिंह पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा शहर अध्यक्ष श्री रवि भदोरिया विधायक श्री महेश परमार श्री दिनेश जैन बोस ने संबोधित किया। बैठक में पूर्व विधायक श्री विजय लक्ष्मी साधो पूर्व विधायक संजय शुक्ला श्री रवि जोशी इंदौर जिला अध्यक्ष श्री यादव डॉ बटुक शंकर जोशी पूर्व सांसद श्री सत्यनारायण पवार महेश सोनी आनंद नारायण मीणा चेतन यादव दीपक मेहरा नाना तिलकर अजय राठौर आदि मौजूद थे। कार्यकर्ता सम्मेलन का संचालन देवव्रत यादव ने किया एवं आभार नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने माना।

कथक नृत्य शैली में प्रस्तुत की शबरी के राम नृत्य नाटिका

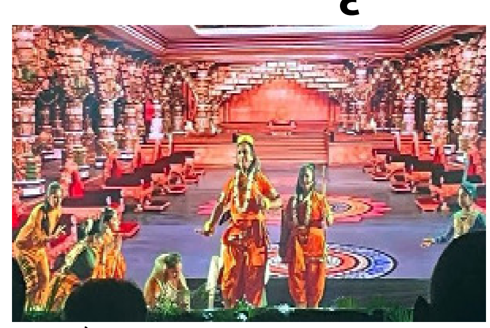

उज्जैन। अखिल भारतीय कला साधक संगम 2024 में आकार सांस्कृतिक संस्थान ने शबरी के राम नृत्य नाटिका कथक नृत्य शैली में प्रस्तुत की।

सरसंघ चालक मोहन भागवत, श्री श्री रविशंकर, नीतीश भारद्वाज, आश्विन दलवी, चेतन जोशी, श्रीपाद जोशी एवं संस्कार भारती के अखिल भारतीय पदाधिकारियों, 900 से अधिक कला साधकों के सम्मुख उज्जैन के कलाकारों ने शबरी के राम नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। जिसका भरपूर प्रतिसाद मिला। संस्था प्रमुख पंडित हरिहरेश्वर पोतदार उपाध्यक्ष संस्कार भारती महानगर उज्जैन के निर्देशन में अंजना चौहान, माधुरी विश्वकर्मा, रेणुका देशपांडे, अंकिता पाठक व अनुराधा पाटिल बैंगलोर, निनाद राग नृत्य अकादमी बैंगलोर के कलाकारों ने दर्शकों की भरपूर प्रशंसा बटोरी। सहयोग दीपक कोडापे, एकता पोद्दार, प्रभा पाठक का रहा व सर्वोत्तम ड्रेसेस के राजेश लड्डा का रहा। सभी दर्शकों ने राम लक्ष्मण व शबरी के अभिनय की भरपूर प्रशंसा की।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com